



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 47] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 21—नवम्बर 27, 2015 (कार्तिक 30, 1937)

No. 47] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 21—NOVEMBER 27, 2015 (KARTIKA 30, 1937)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

पृष्ठ सं.

पृष्ठ सं.

भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.....	983
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	1083
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	9
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	2991
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.....	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.....	*
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.....	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).....	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को	*

*अंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.....	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).....	*
भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश.....	*
भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....	1615
भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंट्स और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस.....	*
भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....	*
भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं.....	413
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस.....	1075
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के अंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक.....	*

CONTENTS

Page No.		Page No.	
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	983	by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1083	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence.....	9	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	2991	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1615
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	413
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	1075
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I — खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अगस्त 2015

सं. 92—प्रेज /2015—राष्ट्रपति, स्वतंत्रता दिवस, 2015 के अवसर पर कमांडेंट चन्द्रशेखर जोशी, तटरक्षक पदक (0510—जे) को बहादुरी के लिए राष्ट्रपति का तटरक्षक पदक (शौर्य) सहर्ष प्रदान करते हैं।

प्रशस्ति उल्लेख

कमांडेंट चन्द्रशेखर जोशी, तटरक्षक पदक (0510—जे) ने 07 जुलाई, 1997 को भारतीय तटरक्षक में सेवा शुरू की।

2. वह 31 दिसंबर, 2014 का दिन था, जब सभी सुरक्षा एजेंसियों को, राष्ट्र की शांति और सौहार्द को भंग करने वाले राष्ट्र—विरोधी तत्वों के प्रयासों को विफल करने के लिए हाई अलर्ट किया गया था। कमांडेंट चन्द्रशेखर जोशी की कमान में भारतीय तटरक्षक पोत राजरतन को भारत—पाक राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के समीप तैनात किया गया था। 31 दिसंबर, 2014 को लगभग 1305 बजे, अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा के नजदीक तैनाती के दौरान, पोत को संदिग्ध गतिविधि में लिप्त एक पाकिस्तानी मछुवाही नौका को रोकने के लिए अधिकतम गति से संबंधित दिशा में बढ़ने का निर्देश प्राप्त हुआ। संदिग्ध मछुवाही नौका की स्थिति पोत से 170 समुद्री मील थी। अफसर ने स्थिति का आकलन करते हुए संदिग्ध मछुवाही नौका का अवरोधन करने के लिए अपने पोत का मार्ग परिवर्तन करते हुए तुरंत अधिकतम गति से नौचालन शुरू किया। समुद्र की परिस्थिति, समुद्र स्थिति 4, 2.5 मीटर से 3.0 मीटर के उठाव और 35—40 समुद्री मील की झकझोर हवाओं के साथ, प्रतिकूल थी। विद्यमान मौसम की परवाह किए बिना, अफसर ने अवरोधन जलमार्ग को बनाये रखा, क्योंकि मिशन की सफलता के लिए समय बहुत कीमती था। अफसर क्षेत्र में मौजूद तटरक्षक डोनियर से नियमित रूप से अद्यतन जानकारी प्राप्त कर रहा था, ताकि वह स्वयं को संदिग्ध मछुवाही नौका की बदलती रणनीतियों के अनुसार खुद को ढाल सके।

3. शत्रुतापूर्ण स्थिति की उम्मीद करते हुए, अफसर ने पोत को उच्च दर्जे की तत्परता में रखा और अपने अफसरों और जवानों को परिस्थिति से अवगत कराया तथा प्रत्येक व्यक्ति को विशिष्ट जिम्मेदारी सौंपी। वे साथ—साथ अपने जवानों का हौसला भी बढ़ा रहे थे ताकि श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त किए जा सके। विपरीत समुद्री परिस्थिति में लगभग 11 घंटों की कठोर अवधि के उपरांत, अंततः संदिग्ध मछुवाही नौका का प्रभावपूर्ण समुद्री—हवाई समन्वित खोज के परिणामस्वरूप 2357 बजे अवरोधन किया जा सका। नौका पर अंधेरा था और नौचालन करने के तरीके से उसका शत्रुतापूर्ण आशय इसलिए जाहिर हो रहा था कि नौका पोत से बचने का प्रयास कर रही थी तथा वह प्रतिकूल मौसम एवं अंधेरे का फायदा उठा कर भाग जाना चाहती थी। अति उच्च आवृत्ति (वीएचएफ) चैनल 16 पर बारंबार कॉल करने, जोरदार ध्वनि—पुकार (लाउड हैलर) और सर्च लाईट से संकेत देने के बावजूद, संदिग्ध मछुवाही नौका के कार्मियों ने उपेक्षा की तथा आत्मसमर्पण करने से इंकार किया। बल के क्रमिक प्रयोग और पोत द्वारा फायर करने के तर्कसंगत उपयोग से संदिग्ध नौका रुकने पर मजबूर हो गयी, क्योंकि अफसर द्वारा अपनायी गयी सटीक युक्तियों से उनके भागने की सभी संभावनायें पूर्णतः समाप्त हो गयी। हालांकि, 01 जनवरी, 2015 को लगभग 0230 बजे संदिग्ध नौका आग की लपटों में दिखाई दी और उसके बाद एक विस्फोट हो गया, जो यह दर्शाता है कि नौका पर अत्यधिक मात्रा में विस्फोटक सामग्री थी। अंततः 01 जनवरी, 2015 को लगभग 0633 बजे नौका डूब गयी।

4. कमांडेंट चन्द्रशेखर जोशी, तटरक्षक पदक (0510—जे) ने अपने अदम्य साहस, कुशल नेतृत्व और निडर प्रयासों से इस परिवर्तनशील परिस्थिति का सफलतापूर्वक सामना किया जिससे राष्ट्र—विरोधी तत्वों के राष्ट्रीय तटवर्ती क्षेत्रों में पहुंचने के मनसूबे को रोका जा सका तथा एक ऐसी घटना से बचा जा सका जो संभवता 26/11 की तरह दूसरा हादसा हो सकता था।

5. कमांडेंट चन्द्रशेखर जोशी, तटरक्षक पदक (0510—जे) ने स्वयं को बखूबी सिद्ध किया है, फलस्वरूप इन्हें राष्ट्रपति का तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है।

6. राष्ट्रपति का तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 4(ii) के तहत राष्ट्रपति का तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है तथा परिणामस्वरूप नियम 5 के अधीन राष्ट्रपति का तटरक्षक पदक (शौर्य) प्राप्त करने वाले तटरक्षक कार्मिकों को विशेष भत्ता स्वीकार्य है।

सं. 93—प्रेज/2015—राष्ट्रपति, स्वतंत्रता दिवस, 2015 के अवसर पर निम्नलिखित अफसर को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का तटरक्षक पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

उपमहानिरीक्षक राजमणी शर्मा, तटरक्षक पदक (0018—पी)

2. विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 4(iv) के तहत राष्ट्रपति का तटरक्षक पदक (विशिष्ट सेवा) प्रदान किया जाता है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 94—प्रेज/2015—राष्ट्रपति, स्वतंत्रता दिवस, 2015 के अवसर पर कमांडेंट संदीप सफाया (0440—एक्स) को बहादुरी के लिए तटरक्षक पदक (शौर्य) सहर्ष प्रदान करते हैं।

प्रशस्ति उल्लेख

कमांडेंट संदीप सफाया (0440—एक्स) ने 08 जुलाई, 1995 को भारतीय तटरक्षक में सेवा शुरू की तथा वर्तमान में अफसर वायु उपधान वाहन (एसीवी) एच—194 की कमान कर रहे हैं।

2. 17 फरवरी, 2015 को, लगभग 1645 बजे, वायु उपधान वाहन एच—194 को मैरीन पुलिस स्टेशन, बेलापुर से दूरभाष के माध्यम से एक संदेश प्राप्त हुआ कि बड़े बच्चों सहित 78 यात्रियों को ले जा रही एक फेरी नौका ऐलिफेंटा द्वीप के नजदीक भूग्रस्त होने की वजह से संकटग्रस्त हो गयी है जिसके दूबने की संभावना है। अफसर ने तुरंत ही जिला मुख्यालय सं.2 और क्षेत्रीय मुख्यालय (पश्चिम) को अवगत कराया तथा तत्पश्चात 1705 बजे एसीवी एच—194 आवश्यक सामान के साथ खोज एवं बचाव (एसएआर) अभियान क्रियान्वित करने के लिए रवाना हुआ। संकटग्रस्त नौका यात्रियों के भार के असंतुलित वितरण की वजह से ज्ञुकी हुई थी। क्षेत्र में दलदल होने के कारण फेरी से यात्रियों को रथानांतरित करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था।

3. भयभीत यात्री तुरंत ही बचाव सहायता चाहते थे और उनकी दहशत स्थिति इस बात का साक्ष्य थी। अफसर ने अपने क्रॉपट को नौका के नजदीक संचालन करने के द्वारा उच्च दर्जे की व्यावसायिक निपुणता को प्रदर्शित किया और यात्रियों के चढ़ने के लिए वायु उपधान को निरंतर पर्याप्त रूप से अनुकूल बनाये रखने के द्वारा क्रॉपट का अत्यंत सावधानी से नौका के नजदीक प्रचालन किया तथा उसी दौरान भूमि से आवश्यक निकासी को भी बनाए रखा।

4. कमांडेंट संदीप सफाया (0440—एक्स) के नेतृत्व में दल ने 78 यात्रियों के बचाव करने के मिशन को, उन्हें 1736 बजे क्रॉपट पर पोतारोहित करके, सफलतापूर्वक निष्पादित किया तथा उसके पश्चात यात्रियों को तटरक्षक होवरपोर्ट, बेलापुर पहुंचाया गया। अत्यंत तीव्र और साहसपूर्ण कृत्य, जिसमें लगभग एक घंटे की रिकार्ड अवधि के अंतर्गत बड़े पैमाने का एक बचाव अभियान किया गया, भारतीय तटरक्षक के अफसर के निउर और साहसिक गुणों को प्रमाणित करता है।

5. कमांडेंट संदीप सफाया (0440—एक्स) ने स्वयं को बखूबी सिद्ध किया है, फलस्वरूप इन्हें तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है।

6. तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(i) के तहत तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है तथा परिणामस्वरूप नियम 13 के अधीन तटरक्षक पदक (शौर्य) प्राप्त करने वाले तटरक्षक कार्मिकों को विशेष भत्ता स्वीकार्य है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 95—प्रेज/2015—राष्ट्रपति, स्वतंत्रता दिवस, 2015 के अवसर पर कमांडेंट अभय मारुति आंबेतकर (0485—सी) को बहादुरी के लिए तटरक्षक पदक (शौर्य) सहर्ष प्रदान करते हैं।

प्रशस्ति उल्लेख

कमांडेंट अभय मारुति आंबेतकर (0485—सी) ने 08 जुलाई, 1996 को भारतीय तटरक्षक में सेवा शुरू की। अफसर वर्तमान में तटरक्षक वायु एंक्लेव (सीजीएई), पोरबंदर में वरिष्ठ पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त हैं तथा इन्हें 4500 से अधिक उड़ान घंटों का अनुभव है।

2. 31 दिसंबर, 2014 को, 746 स्क्वाड्रन (तटरक्षक) के कार्यकारी स्क्वाड्रन कमांडर के रूप में अफसर ने भारतीय तटरक्षक द्वारा किए गए आतंकवादी—विरोधी प्रथम अभियान का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया। जनशक्ति की अत्यधिक कमी तथा पोरबंदर

एयरफील्ड में एयरफील्ड पहरा प्रतिबंधों के बावजूद, अफसर ने पोरबंदर एयरफील्ड की बिना शर्त ही उपलब्धता को सुनिश्चित किया तथा पोरबंदर में दूरवर्ती सिविल एयरफील्ड से अल्प सूचना में/हर समय 05 डोर्नियर वायुयान की उड़ान का सुकर बनाया जिसके परिणामस्वरूप संदिग्ध पोत का समय पर पता लगाया जा सका, उस पर नजर रखी जा सकी तथा उसका अंतर्रोधन किया जा सका। अफसर ने युवा गतिशील पायलटों और पर्यवेक्षकों से युक्त अपने दल का 31 दिसंबर, 2014 की रात्रि में गौरव के साथ उत्कृष्टता की प्राप्ति हेतु नेतृत्व किया। मिशन से संबंधित सभी जानकारी देने और लेने, सटीक सॉर्टी योजना और वायुयान संचालन पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन के विशुद्ध आयोजन करने के परिणामस्वरूप समुद्र में 200 समुद्री मील का समुद्री-हवाई समन्वित अभियान सफलतापूर्वक निष्पादित किया जा सका। एक लीडर के रूप में अफसर ने विस्तारित उड़ान अभियानों के कारण तनाव व थकान से निपटने के लिए कार्मियों के कार्य को पुनःव्यवस्थित किया।

3. वायुयान के कप्तान के रूप में अफसर ने 31 दिसंबर, 2014 को 2300 बजे इस परिस्थिति का कार्यभार संभाला। समुद्र में भारी ज्वार, सशक्त हवाओं और समुद्र की स्थिति 4-5 में छोटी नौका को ढूँढ़ने व पता लगाने के लिए विद्यमान मौसमी परिस्थितियां अनुकूल नहीं थीं। अंधेरा होने, अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के नजदीक प्रतिबंधित संचलन मानदंडों और अत्यधिक ज्वारीय समुद्र स्थिति/रेडार अव्यवस्था ने परिस्थिति को और विकट बना दिया था। अफसर ने असाधारण व्यावसायिक कुशाग्रता को प्रदर्शित किया तथा सेंसोरों का उनकी अधिकतम सीमा तक उपयोग किया और वायुयान का कुशलतापूर्वक संचालन किया जिसके परिणामस्वरूप संदिग्ध पोत का पता लगाया जा सका तथा उस पर आगामी कार्रवाई के लिए भारतीय तटरक्षक पोत राजरतन को मार्ग-निर्देशित किया जा सका।

4. त्वरित प्रतिक्रिया, तीव्र खोज, परिशुद्ध वायुयान संचालन, संचार कड़ी स्थापित करने में कुशल एवं प्रभावी दिशा मार्गदर्शन के परिणामस्वरूप विस्फोटक ले जा रही पाकिस्तानी नौका (जिसने अंततः पकड़े जाने से बचने के लिए नौका पर आग लगा ली थी) को ढूँढ़ा जा सका।

5. कमांडेंट अभय मारुति आंबेतकर (0485-सी) ने स्वयं को बखूबी सिद्ध किया है, फलस्वरूप इहें तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है।

6. तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(i) के तहत तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है तथा परिणामस्वरूप नियम 13 के अधीन तटरक्षक पदक (शौर्य) प्राप्त करने वाले तटरक्षक कार्मियों को विशेष भत्ता स्वीकार्य है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 96-प्रेज/2015-राष्ट्रपति, स्वतंत्रता दिवस, 2015 के अवसर पर कमांडेंट कँवलजीत सिंह (0506-एक्स) को बहादुरी के लिए तटरक्षक पदक (शौर्य) सहर्ष प्रदान करते हैं।

प्रशस्ति उल्लेख

कमांडेंट कँवलजीत सिंह (0506-एक्स) ने 07 जुलाई, 1997 को भारतीय तटरक्षक में सेवा शुरू की तथा वर्तमान में अफसर भारतीय तटरक्षक पोत सुभद्रा कुमारी चौहान की कमान कर रहे हैं।

2. 04 दिसंबर, 2014 को, पोत को मुंबई के पास 02 पोतों के निषिद्ध वस्तुओं की तस्करी में लिप्त होने संबंधी क्षेत्रीय मूख्यालय (परिचय) से आसूचना रिपोर्ट प्राप्त हुई। 04 दिसंबर, 2014 को 1030 बजे पोत आवश्यक साजो-सामान के साथ क्षेत्र में मौजूद भारतीय तटरक्षक पोत अचूक से भेंट-स्थल पर मिलने के लिए रवाना हुआ।

3. 04 दिसंबर, 2014 को 1900 बजे पोत क्षेत्र में पहुंचा। अफसर ने ऑन-सीन कमांडर (ओएससी) का प्रभार ग्रहण करते हुए, खोज क्षेत्र को उत्तरी और दक्षिणी क्षेत्रों में विभाजित कर दिया। पोत ने संदिग्ध पोतों में बॉक्स के लिए उत्तर में गश्त को बनाये रखा। लगभग 1930 बजे, अफसर ने अति उच्च आवृत्ति (वीएचएफ) समुद्री मोबाईल बैंड (एमएमबी) चैनल 10, 16, 21 और 63, जिनका बजार मालिकों और प्रचालकों द्वारा अत्यधिक प्रयोग किया जाता है, की निरंतर मॉनीटरिंग करने का आदेश दिया। पोत ने चैनल 10 और 63 पर लकड़ी के हस्तांतरण होने के संबंध में बातचीत सुनी। तत्पश्चात पोत ने, अत्यधिक संभावित दिशा, जहां से पवर-पवर (स्क्वेल्च) की अधिक आवाज आ रही थी, का पता लगाने के लिए 360 डिग्री में घूमने के दौरान, स्क्वेल्च सेटिंग पर परिवर्तनों के आधार पर, अत्यधिक संभावित क्षेत्र की ओर अपना रुख किया।

4. 04 दिसंबर, 2014 को 2020 बजे, पोत ने अंधेरा किए हुए 02 पोत, जो संभवता ढो लग रहे थे, की परछाई देखी। इस क्षण, अफसर ने शांति कायम रखने और शस्त्रों से लैस होने का आदेश दिया। संदिग्ध पोत अचानक हैरत में आ गये, और उन्होंने तुरंत ही अपने इंजन स्टार्ट कर दिए तथा उन्होंने गिरफ्तारी से बचने के लिए विपरीत दिशाओं में नौचालन शुरू कर दिया। चेतावनी देने और वीएचएफ चैनल पर बारंबार रुकने की आवाज लगाने के बावजूद, संदिग्ध पोतों ने अपनी गति बढ़ा दी तथा प्राधिकरण की अवहेलना की, जिससे उनका आपराधिक आशय प्रदर्शित हुआ। अफसर ने दमन के तटरक्षक डोर्नियर, जोकि क्षेत्र में था, को तथा भारतीय तटरक्षक पोत अचूक को पलायन कर रहे ढो का अंतर्रोधन करने के लिए दिशा-निर्देशित किया, जबकि पोत बजरा का पीछा

कर रहा था। 2047 बजे बजरा अफसर के आदेश पर बल के क्रमिक और गोलीबारी शस्त्रों के प्रयोग पर रुका तथा उसने आत्मसमर्पण किया।

5. बोर्डिंग पार्टी ने बजरा एमवी गंगा सागर से लाल चंदन की लकड़ी बरामद की तथा ढो एमवी मारवां से भी उसी लकड़ी की पुष्टि हुई। जब्त की गयी निषिद्ध वस्तुओं का कुल मूल्य अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 9 करोड़ रुपए से अधिक आंका गया। दोनों पोतों से कुल 16 संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। तत्पश्चात अफसर ने बोर्डिंग अफसर को बजरा को अपनी कमान में लेने का आदेश दिया तथा 02 उपद्रवी पोतों सहित बजरा और सभी चारों पोत आगामी जांच और कार्रवाई के लिए मुंबई की ओर रवाना हुए।

6. कमांडेंट कॅवलरी जीत सिंह (0506—एक्स) ने स्वयं को बखूबी सिद्ध किया है, फलस्वरूप इन्हें तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है।

7. तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(i) के तहत तटरक्षक (शौर्य) प्रदान किया जाता है तथा परिणामस्वरूप नियम 13 के अधीन तटरक्षक पदक (शौर्य) प्राप्त करने वाले तटरक्षक कार्मिकों को विशेष भत्ता स्वीकार्य है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं0 97—प्रेज/2015—राष्ट्रपति, स्वतंत्रता दिवस, 2015 के अवसर पर कमांडेंट सतीश बिष्ट (0546—पी) को बहादुरी के लिए तटरक्षक पदक (शौर्य) सहर्ष प्रदान करते हैं।

प्रशस्ति उल्लेख

कमांडेंट सतीश बिष्ट (0546—पी) ने 04 जनवरी, 1999 को भारतीय तटरक्षक में सेवा शुरू की। अफसर ने विभिन्न महत्वपूर्ण उड़ान नियुक्तियों पर अपनी सेवा दी जिसमें अप्रैल 2010 में भारतीय तटरक्षक की मालदीव ध्रुव फलाईट के कमीशनिंग कर्मी की सेवा भी शामिल है तथा बाद में भारत और मालदीव गणराज्य के बीच द्विपक्षीय सहयोग में मजबूती लाने के लिए अफसर ने मार्च 2014 में उसी यूनिट (जिसे अप्रैल 2010 में एक विशिष्ट परियोजना के रूप में स्थापित किया गया था) के सैन्य दल कमांडर के रूप में सेवा प्रदान की।

2. 18 अक्टूबर, 2012 को रात्रि अभियान के दौरान एक रोगी की फुवामुलाह द्वीप से निकासी की जानी थी। अभियान की विशिष्टता यह थी कि इसे एक ऐसी फील्ड से क्रियान्वित किया जाना था जहां पर रनवे लाईट की कोई व्यवस्था नहीं थी, अफसर ने अपने अनुभव, पहाड़ी क्षेत्र की जानकारी और नवाचारी योजना के साथ वैकल्पिक लाईट व्यवस्था का उपयोग करते हुए रोगी की निकासी की, फलस्वरूप मालदीवी नागरिकों के मन में भारतीय तटरक्षक के प्रति विश्वास बढ़ा। अफसर ने द्वीपीय राष्ट्र के संपूर्ण कार्यकाल के दौरान विभिन्न मानवीय अभियान क्रियान्वित किए। अनेक अवसर ऐसे थे जिनमें रोगियों की निकासी दूरवर्ती द्वीपों से की गयी, जिसमें 500 समुद्री मील से अधिक की उड़ान भरी गयी। ऐसे अभियानों में अध्यवसाय और जरूरत मंदों के पास पहुंचने के लिए संकल्प का होना शामिल था। ऐसे अभियानों में बहुविध ईंधन भराव, गतिशील मौसमी परिस्थितियों में अनुपयुक्त स्थलों पर लैंडिंग करना अपेक्षित है तथा एक राष्ट्र के संपूर्ण क्षेत्रफल में अभियान करना अत्यधुनिक हल्के हेलिकॉप्टर (एएलएच) अभियानों के इतिहास में अभूतपूर्व था।

3. अवसंरचनात्मक और तकनीकी बाधाओं के बावजूद, सैन्य-दल कमांडर के रूप में, अफसर ने विभिन्न मिशनों में अपने दल का नेतृत्व किया तथा सभी मिशन सफलतापूर्वक निष्पादित किए गए। मालदीवी नागरिकों के लिए चिकित्सा निकासियां करने के अलावा, गाफू ढाल अटोल से गंभीर रूप से जल गये एक बांग्लादेशी नागरिक की निकासी हेतु मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (एमएनडीएफ) के एक मिशन को भी क्रियान्वित किया। अफसर ने सभी मानवीय और जीवन रक्षा के मिशनों के दौरान विपरीत परिस्थितियों में शौर्य के असाधारण कृत्य, हाजिर बुद्धि, व्यावसायिकता, अनुकरणीय उत्साह, अध्यवसाय और सराहनीय उड़ान कौशल को प्रदर्शित किया।

4. अफसर, महानिदेशक भारतीय तटरक्षक से प्रशस्ति (2004 और 2009), सिनकॉन से प्रशस्ति (2006) और भारतीय उच्चायोग (माले) से भी प्रशस्ति (2010) के प्राप्तकर्ता हैं।

5. कमांडेंट सतीश बिष्ट (0546—पी) ने स्वयं को बखूबी सिद्ध किया है, फलस्वरूप इन्हें तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है।

6. तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(i) के तहत तटरक्षक (शौर्य) प्रदान किया जाता है तथा परिणामस्वरूप नियम 13 के अधीन तटरक्षक पदक (शौर्य) प्राप्त करने वाले तटरक्षक कार्मिकों को विशेष भत्ता स्वीकार्य है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 98—प्रेज/2015—राष्ट्रपति, स्वतंत्रता दिवस, 2015 के अवसर पर अमि चन्द, उत्तम अधिकारी (आर पी), 02787—पी को बहादुरी के लिए तटरक्षक पदक (शौर्य) सहर्ष प्रदान करते हैं।

प्रशस्ति उल्लेख

अमि चन्द, उत्तम अधिकारी (रेडार प्लॉटर), 02787—पी ने 13 जुलाई, 1992 को भारतीय तटरक्षक में सेवा शुरू की।

2. 04 दिसंबर, 2014 को, भारतीय तटरक्षक पोत सुभद्रा कुमारी चौहान को मुंबई के पास 02 पोतों के निषिद्ध वस्तुओं की तस्करी में लिप्त होने संबंधी क्षेत्रीय मुख्यालय (पश्चिम) से आसूचना रिपोर्ट प्राप्त हुई। 1030 बजे पोत आवश्यक साजों—सामान के साथ क्षेत्र में पहले से मौजूद भारतीय तटरक्षक पोत अचूक के साथ भेट—ख्थल पर मिलने के लिए रवाना हुआ। कमान अफसर ने कार्यकारी अफसर और मास्टर चीफ बोसनमेट (एमसीबीएम) को मिशन, जिसमें पोत को अंधेरे के दौरान उच्च गति में संचालित किया जाना अपेक्षित था, के बारे में जानकारी दी। अमि चन्द, उत्तम अधिकारी, मास्टर चीफ बोसनमेट ने स्थिति को समझा और अभियान के लिए पोत को तैयार किया।

3. 04 दिसंबर, 2014 को 1900 बजे, पोत क्षेत्र में पहुंचा तथा अधीनस्थ अफसर को विरोधी पोत को अपनी भनक न लगने के संबंध में पोत को अंधेरे की स्थिति में रखना सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया। अधीनस्थ अफसर ने ऊपरी डैक पर अंधेरे रखने की तैयारी की, साथ ही कर्मियों और सामान की सुरक्षा को भी ध्यान में रखा, जेमिनी को सफलतापूर्वक नीचे उतारा तथा बोर्डिंग पार्टी को रवाना किया। उसी दौरान, अधीनस्थ अफसर ने बोर्डिंग पार्टी को चौकसी बरतने और अभियान की अपेक्षाओं के संबंध में संक्षिप्त जानकारी दी।

4. 04 दिसंबर 2014 को लगभग 2000 बजे, अधीनस्थ अफसर ने क्षितिज में अंधेरा किए हुए 02 पोत की परछाई देखी तथा उसकी जानकारी पोत के ब्रिज को दी। अधीनस्थ अफसर को समुद्र में उसके अनुभव और महत्वपूर्ण निगरानी के कारण पोत दुष्ट प्रवृत्ति वाले लगे तथा उसने तदनुसार, कमान को इसकी जानकारी दी। इस समय, अधीनस्थ अफसर ने ऊपरी डैक पर मौन बनाये रखने तथा सभी कर्मियों को छोटे हथियारों से सुसज्जित रखने को सुनिश्चित किया। पोत, जो अचानक हैरत में आ गये थे, ने तुरंत अपने इंजनों को स्टार्ट कर विपरीत दिशाओं में नौचालन शुरू कर दिया। चेतावनी देने और वीएचएफ चैनल पर रुकने की बारंबार आवाज लगाने के बावजूद, पोतों ने अपनी गति बढ़ा दी और प्राधिकरण की अवहेलना की, जिससे उनका आपराधिक मनसूबा जाहिर हुआ। अधीनस्थ अफसर ने, अपने तीव्र चिंतन कौशल से, भारतीय तटरक्षक पोत अचूक के साथ निरंतर रेडियो टेलिफोनी (आरटी) संपर्क बनाये रखा तथा उसे वास्तविक समय के आधार पर भाग रहे ढो की स्थिति से अवगत कराया। तत्पश्चात, पोत ने रफूचकर हो रहे बजरा का पीछा करना शुरू कर दिया। लगभग 2047 बजे का समय था, जब बजरा, अधीनस्थ अफसर द्वारा समन्वित नियंत्रित और चेतावनी स्वरूप फायरिंग के फलस्वरूप रुका।

5. जब्त की गयी निषिद्ध वस्तुओं का कुल मूल्य अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 09 करोड़ रुपए से अधिक था। बजरा से कुल 09 संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। यह गिरफ्तारी गहन निगरानी, नाविक दृष्टि कौशल और अधीनस्थ अफसर की प्रेरणा शक्ति के फलस्वरूप हुई जिसके लिए उन्होंने व्यवस्थित तरीके से स्टीक गन फायर को बनाये रखने तथा जेमिनी के सुरक्षित संचालन करने की दिशा में अपना योगदान दिया।

6. अमि चन्द, उत्तम अधिकारी (आर पी), 02787—पी ने स्वयं को बखूबी सिद्ध किया है, फलस्वरूप इन्हें तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है।

7. तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(i) के तहत तटरक्षक (शौर्य) प्रदान किया जाता है तथा परिणामस्वरूप नियम 13 के अधीन तटरक्षक पदक (शौर्य) प्राप्त करने वाले तटरक्षक कर्मिकों को विशेष भत्ता स्वीकार्य है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 99—प्रेज/2015—राष्ट्रपति, स्वतंत्रता दिवस, 2015 के अवसर पर बिकाश बागची, अधिकारी (एम ई), 03225—एल को बहादुरी के लिए तटरक्षक पदक (शौर्य) सहर्ष प्रदान करते हैं।

प्रशस्ति उल्लेख

बिकाश बागची, अधिकारी (मेकेनिकल इंजीनियर), 03225—एल ने 01 अगस्त, 1996 को भारतीय तटरक्षक में सेवा शुरू की।

2. 17 फरवरी, 2015 को लगभग 1645 बजे, वायु उपधान वाहन (एसीवी) एच-194 को मैरीन पुलिस स्टेशन, बेलापुर से एक संदेश प्राप्त हुआ कि बड़े बच्चों सहित 78 यात्रियों को ले जा रही एक फेरी नौका ऐलीफेंटा द्वीप के नजदीक भूग्रस्त होकर संकटग्रस्त हो गयी है, जिसके ढूबने की संभावना है। बिकाश बागची अधिकारी (एमई), जोकि चीफ (एमई) के अलावा चीफ बोसन मेट (सीबीएम) के कर्तव्यों का निष्पादन कर रहे थे, को तुरंत लांच करने के लिए क्रॉफट को तैयार करने का कार्य सौंपा गया। अधीनस्थ अफसर ने बचाव अभियान को क्रियान्वित करने के लिए पर्याप्त ईंधन और मशीन की स्वस्थ स्थिति सुनिश्चित करने के उपरांत क्रॉफट को लांच करने के लिए पंद्रह मिनट में तैयार कर दिया। अधिकारी की तुरंत प्रतिक्रिया और मिशन की तात्कालिकता को समझते हुए, क्रॉफट खोज एवं बचाव अभियान के लिए 1705 बजे सामान के साथ नौचालन को रवाना होने के लिए तैयार हो गया था।

3. क्रॉफ्ट ऐलीफेंटा द्वीप, मुंबई के नजदीक 1724 बजे भूग्रस्त पोत के नजदीक पहुंचा। संकटग्रस्त नौका यात्रियों के भार के असंतुलित विभाजन की वजह से झुकी हुई थी। इसलिए, बिकाश बागची, अधिकारी (एमई) के नेतृत्व में स्थिति को प्रभावपूर्ण ढंग से नियंत्रित करने के लिए तुरंत ही बोर्डिंग पार्टी को जलावतरित किया गया। संतुलन बनाये रखने के लिए अधीनस्थ अफसर बिना कोई समय गंवायें संकटग्रस्त नौका, जोकि एक ओर बुरी तरह से झुक गयी थी, पर तुरंत कूद गया। उन्होंने खतरे को भांप लिया तथा रस्सियों की मदद से संकटग्रस्त नौका को क्रॉफ्ट से बांध दिया और यात्रियों को बराबर भाग में नौका के दोनों तरफ बैठाने की व्यवस्था की ताकि उसका झुकाव ठीक हो सके।

4. बिकाश बागची, अधिकारी (एमई) ने तुरंत ही भयभीत यात्रियों का विश्वास जीत लिया और इस प्रकार भगदड़ वाली स्थिति नियंत्रित किया जा सका। अधीनस्थ अफसर फेरी में तब तक रहा जब तक कि सारे उत्तरजीवियों का बचाव नहीं किया जा सका। अधिकारी ने व्यवहारिक संकेतों द्वारा संकटग्रस्त नौका की ओर सही पहुंच बनाने के लिए कमान अफसर की सहायता की। व्यावसायिक कुशाग्रता, टीम कार्य और अधीनस्थ अफसर द्वारा प्रदर्शित संसाधन प्रबंधन की बदौलत अपनी परवाह न करते हुए 78 यात्रियों का समय पर बचाव किया जाना सराहनीय है, जिससे भारतीय तटरक्षक के वृत्तिक गौरव में अभिवृद्धि हुई है।

5. बिकाश बागची, अधिकारी (एमई), 03225-एल ने स्वयं को बखूबी सिद्ध किया है, फलस्वरूप इन्हें तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है।

6. तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(i) के तहत तटरक्षक (शौर्य) प्रदान किया जाता है तथा परिणामस्वरूप नियम 13 के अधीन तटरक्षक पदक (शौर्य) प्राप्त करने वाले तटरक्षक कार्मिकों को विशेष भत्ता स्वीकार्य है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 100—प्रेज / 2015—राष्ट्रपति, स्वतंत्रता दिवस, 2015 के अवसर पर मदन लाल, प्रधान नाविक (स्टीवर्ड), 05308—आर को बहादुरी के लिए तटरक्षक पदक (शौर्य) सहर्ष प्रदान करते हैं।

प्रशस्ति उल्लेख

मदन लाल, प्रधान नाविक (स्टीवर्ड), 05308—आर ने 27 सितम्बर, 2005 को भारतीय तटरक्षक में सेवा शुरू की।

2. अगस्त 2014 के दौरान, ओडिशा के कुजंग और केंद्रपाड़ा जिलों के अधिकांश भागों में मूसलाधार बारिश होने के परिणाम स्वरूप, कई गांव भीषण बाढ़ की चपेट में बह गये और बहुत से लोगों के जीवन को खतरा हो गया। तटरक्षक जिला मुख्यालय (त.र. जि.मु) सं. 7, पारादीप, ओडिशा ने इस संकटग्रस्त स्थिति में ग्रामीणों के जीवन का बचाव करने के लिए 05 अगस्त, 2014 को “अभियान राहत” शुरू किया। प्रधान नाविक बचाव दल का सदस्य था और उसे बचाव अभियानों के लिए तैनात किया गया।

3. 06 अगस्त, 2014 को, महानदी के डेल्टा क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित गांव को स्वच्छ बनाने के दौरान, इन्होंने देखा कि 08 कर्मियों के साथ एक नौका उल्टी हुई है तथा उसमें फंसे लोग महानदी के किनारे के नजदीक जाने के लिए संघर्ष कर रहे थे, जोकि बाढ़ के तेज बहाव में अत्यधिक चुनौतीपूर्ण कार्य था। प्रारंभ में जीवन रक्षी बोया को समीप से गुजारने के प्रयास, बाढ़ के शक्तिशाली बहाव के कारण विफल हुए, साथ ही तूफानी मौसम की भी एक चुनौती सामने थी। प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, भर्ती कार्मिक ने तट के नजदीक जाने को संघर्ष कर रहे संकटग्रस्त कर्मियों को सहायता देने के लिए जोखिम उठाने का निर्णय लिया। इन्होंने बाढ़ के शक्तिशाली प्रवाह के विरुद्ध दल का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया तथा दल ने इनके कुशल नेतृत्व में, 08 लोगों का सुरक्षित रूप से बचाव कर लिया। बचाये गये लोगों को आगामी व्यवस्था के लिए राहत शिविर में स्थानांतरित कर दिया गया।

4. जीवन सुरक्षा हेतु उच्च प्राथमिकता के साथ मिशन का सुरक्षित निष्पादन और उत्साह सेवा की उच्च परंपराओं के अनुरूप है।

5. मदन लाल, प्रधान नाविक (एस टी डी), 05308—आर ने स्वयं को बखूबी सिद्ध किया है, फलस्वरूप इन्हें तटरक्षक पदक (शौर्य) प्रदान किया जाता है।

6. तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(i) के तहत तटरक्षक (शौर्य) प्रदान किया जाता है तथा परिणामस्वरूप नियम 13 के अधीन तटरक्षक पदक (शौर्य) प्राप्त करने वाले तटरक्षक कार्मिकों को विशेष भत्ता स्वीकार्य है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 101—प्रेज / 2015—राष्ट्रपति, स्वतंत्रता दिवस, 2015 के अवसर पर निम्नलिखित अफसरों को सराहनीय सेवा के लिए तटरक्षक पदक सहर्ष प्रदान करते हैं—

(i) उपमहानिरीक्षक कनडमबक्कम रमनी सुरेश (0166—सी)

(ii) उपमहानिरीक्षक मनोज वसंत बाड़कर (0173—क्यू)

2. सराहनीय सेवा के लिए तटरक्षक पदक प्रदान करने संबंधी नियम 11(ii) के तहत तटरक्षक पदक (सराहनीय सेवा) प्रदान किया जाता है।

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

सं. 102—प्रेज/2015—राष्ट्रपति संस्कृत, अरबी, फारसी तथा पाली/प्राकृत भाषाओं के निम्नलिखित विद्वानों को सहर्ष सम्मान—प्रमाणपत्र प्रदान करते हैं :—

संस्कृत

1. डॉ. (श्रीमती) शशि तिवारी
2. श्री लक्ष्मीश्वर झा
3. प्रो. सुधाकर दीक्षित
4. प्रो. जी. महाबलेश्वर भट्ट
5. श्री एम. एम. वीराराघवाचार
6. वेद रत्न केशव सीताराम जोगलेकर (मरणोपरांत)
7. श्री ए. हरिदास भट्ट
8. पं. श्री कृष्ण शास्त्री काशीनाथ शास्त्री जोशी (कोडानिकर)
9. डॉ. रामकिशोर शुक्ला
10. श्री गुल्लापल्ली वेंकटनारायण गणपति
11. श्री हरिदत्त शर्मा
12. प्रो. ओमप्रकाश पाण्डे
13. डॉ. कैलाश चन्द्र दये
14. पं. जगन्नाथ शास्त्री तैलंग
15. डॉ. वाचस्पति मैथानी

संस्कृत (अंतर्राष्ट्रीय)

1. श्री आस्को पारपोला

अरबी

1. डॉ. ए. निजारुदीन
2. प्रो. मोहम्मद हसन खां

फारसी

1. प्रो. (डॉ.) गुलाम रसूल जान
2. प्रो. (डॉ.) मोहम्मद मुनव्वर मसूदी
3. श्री इहसान करीम बुर्क

पाली/प्राकृत

1. प्रो. प्रद्युमन दुबे

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रपति संस्कृत, अरबी, फारसी तथा पाली/प्राकृत भाषाओं के निम्नलिखित विद्वानों को महर्षि बादरायन व्यास सम्मान भी प्रदान करते हैं :—

संस्कृत

1. डॉ. वीरुपक्षा वी. जददीपाल
2. डॉ. रत्न मोहन झा
3. डॉ. विष्णुपाद महापात्र
4. डॉ. प्रसाद प्रकाश जोशी
5. डॉ. देवी प्रसाद मिश्र

अरबी

1. डॉ. हीफा शाकरी

फारसी

1. डॉ. इमरान अहमद चौधरी

पाली/प्राकृत

1. श्री धम्मदीप पंडारी वानखेडे

सुरेश यादव
राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी

वस्त्र मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 नवम्बर 2015

विषय : तत्कालीन परिधान एवं निट वियर निर्यात पात्रता (कोटा) नीति (2000—2004) के अंतर्गत सिलेसिलाए परिधान निर्यातकों द्वारा दावा नहीं की गई ईएमडी/बीजी राशि की वसूली से संबंधित नीति।

सं. एस.ओ.सं.8/3/2015—ईपी—हालांकि परिधानों और निट वियर की निर्यात पात्रता (कोटा) नीति (2000—2004) (जीकेर्इईपी) के अवधिकारी प्रावधानों का प्रचालन दिनांक 09 नवम्बर, 2004 की अधिसूचना सं. 1/61/2004—निर्यात—। के माध्यम से 01 जनवरी, 2005 से आरंभ में 1 वर्ष के लिए अधिसूचित किया गया था और इसका कार्यकाल समय—समय पर 31 दिसम्बर, 2016 तक बढ़ाया गया है।

2. जबकि उपर्युक्त नीति में संबंधित निर्यातकों द्वारा निर्धारित अवधि के भीतर निर्यात दायित्वों को पूरा करने के लिए गारटी के रूप में बयाना (ईएमडी)/बैंक गारंटी (बीजी) को प्रस्तुत करने का प्रावधान था, ऐसा न करने पर ईएमडी/बीजी को जब्त कर लेने का प्रावधान था।

3. जबकि निर्यातकों द्वारा जमा की गई ईएमडी क्रियाविधि के अनुसार निर्यातकों के निष्पादन जिसके अंतर्गत निर्यातकों को कोटा को प्रशासित करने वाली प्राधिकरण (क्यूएए) को शिपमेंट के समर्थन में दस्तावेजी प्रमाण प्रस्तुत करना अपेक्षित था, के आधार पर पदनामित पदाधिकारियों द्वारा या तो रिलीज कर दी गई थी अथवा जब्त कर ली गई थी।

4. जबकि अपैरल निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसी) के लेखापरीक्षित लेखाओं से यह पाया गया है कि ईपीसी के पास सावधि जमा और डिमांड ड्राफ्ट के रूप में 48.58 करोड़ रुपए की दावा नहीं की गई राशि पड़ी हुई है जिसका व्यौरा ईपीसी द्वारा रखा जा रहा है। यह राशि भारत सरकार की है जिसे ईपीसी कस्टोडियन के रूप में रखे हुए था। दावा नहीं की गई 48.58 करोड़ रुपए की राशि दिशानिर्देशों के अनुसार किसी अधिमानी दावे के अभाव में 10 वर्ष से अधिक समय से पड़ी हुई है।

5. इसलिए अब उन देशों के संबंध में जहां ऐसे निर्यात वस्त्र और क्लोदिंग के करार के प्रावधानों के अंतर्गत निषेधों द्वारा कवर किया जाता है, 31.12.2016 (पैरा 20) तक विस्तारित किए गए परिधान एवं निट वियर निर्यात पात्रता (कोटा) नीति (2000—2004) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इसे एतद्वारा दिनांक 12 नवम्बर, 1999 की अधिसूचना सं. 1/28/99—निर्यात—। के पैरा 12 (सी) के स्थान पर निम्नानुसार प्रतिरक्षित किया जाता है।

‘जमानत वापसी, यदि कोई हो, के लिए क्यूएए के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख से 90 दिन के भीतर सभी सहायक दस्तावेजों के साथ अपने दावे प्रस्तुत करने की नीति के अंतर्गत शामिल किए गए निर्यातकों को एतद्वारा दावे हेतु एक अवसर प्रदान किया जाता है यह भी प्रावधान है कि ऐसे सभी डीडी/सावधि जमा रसीदें, जिसके लिए निर्धारित अवधि के भीतर कोई दावा प्राप्त नहीं होगा, को भारत सरकार के पक्ष में कोटा प्रशासित करने वाले प्राधिकरण द्वारा उपर्याप्त व्याज सहित जब्त करके इसे जिसे भारत के समेकित निधि (सीएफआई) में जमा कर दिया जाएगा। 90 दिन की निर्धारित अवधि के समाप्त होने के पश्चात किसी भी हालात में उक्त दावा नहीं किए डिमांड ड्राफ्ट सावधि जमा रसीदों के संबंध में किसी अपैरल निर्यातक चाहे जो कोई भी हो, के किसी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।’

6. तदनुसार जिन निर्यातकों ने उपर्युक्त पैरा 4 में उल्लिखित जमा राशि के संबंध में बीजी/ईएमडी प्रस्तुत किया है, उनसे अनुरोध है कि वे अपने दावे प्रस्तुत कर दें, ऐसा न करने पर उक्त राशि भारत सरकार के पक्ष में जब्त कर ली जाएगी।

नीरव के. मलिक
निदेशक

नोट : मूल अधिसूचना दिनांक 12.11.1999 के सं. 1/128/99-निर्यात-। के माध्यम से प्रकाशित की गई थी और पिछली बार दिनांक 14.10.2015 की अधिसूचना सं. 1/61/2004-आईटी के माध्यम से संशोधित की गई थी।

संस्कृति मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 2015

सं. 10-11/2008-एम-I—राष्ट्रीय संग्रहालय कला इतिहास संरक्षण एवं संग्रहालय विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के संगम-ज्ञापन के अनुच्छेद 7 (क) और केन्द्रीय सरकार के परामर्श से संस्थान की सोसायटी के अध्यक्ष से प्राप्त मनोनयन के अनुसरण में, संस्थान की शैक्षणिक परिषद का इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से तीन वर्षों की अवधि के लिए अथवा जब तक इसका पुर्नार्थन नहीं हो जाता, जो भी पहले हो, निनानुसार पुर्नार्थन किया जाता है :—

क्र.सं.	संरचना	स्थिति	मनोनयन
1.	कुलपति, एनएमआई	पदेन अध्यक्ष	महानिदेशक, राष्ट्रीय संग्रहालय और संस्थान के कुलपति
2.	निदेशक, एनएमआई	पदेन सदस्य	रिक्त
3.	डीन (शैक्षिक मामले) एनएमआई और संस्थान के विभागों के विभागाध्यक्ष	पदेन सदस्य	डीन, शैक्षिक मामले 1 प्रो. अनूप पांडे, डीन (शैक्षिक मामले) और विभागाध्यक्ष, कला इतिहास विभाग विभागाध्यक्ष i. डॉ. सतीश चन्द्र पाण्डे, प्रभारी विभागाध्यक्ष, संरक्षण विभाग ii. डॉ. (श्रीमती) मानवी सेठ, प्रभारी विभागाध्यक्ष संग्रहालय विज्ञान विभाग
4.	संस्थान के विभागाध्यक्षों के अलावा प्रोफेसर	पदेन सदस्य	रिक्त
5.	कुलपति द्वारा मनोनीत वरिष्ठता के क्रम में बारी-बारी से विभागाध्यक्ष के अलावा प्रत्येक विभाग से एक रीडर	पदेन सदस्य	रिक्त
6.	कुलपति द्वारा मनोनीत वरिष्ठता के क्रम में बारी-बारी से प्रत्येक विभाग से एक लेक्चरर	पदेन सदस्य	i. डॉ. सविता कुमारी, सहायक प्रोफेसर (कला इतिहास) ii. डॉ. सतीश चन्द्र पांडे, सहायक प्रोफेसर (संरक्षण) iii. डॉ. मानवी सेठ, सहायक प्रोफेसर (संग्रहालय विज्ञान)
7.	केन्द्रीय सरकार के परामर्श से अध्यक्ष द्वारा मनोनीत संस्थान में सेवारत प्रतिष्ठित शिक्षाविदों अथवा संग्रहालय विज्ञान, पुरातत्व, अभिलेखीय अध्ययन, संरक्षण, मानव विज्ञान और सदृश क्षेत्र के व्यक्तियों के बीच से पांच व्यक्ति	सदस्य	i. डॉ. एस. एस. विश्वास ई-3, सरिता विहार, नई दिल्ली-110076 ii. प्रो. वी.एस. सोनवने, 403, सुभद्रा ग्रीन, सुया विलास सोसाइटी डायरी कम्पाउंड के समीप गोद्री बड़ौदा, गुजरात-390021 iii. प्रो. अतुल त्रिपाठी, एल-3, वार्डन्स क्वार्टर, जोधपुर कालोनी बीएचयू, वाराणसी-221005

			iv. प्रो. के. के. थपलियाल, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, प्राचीन इतिहास एवं पुरातत्व लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उ.प्र. v. प्रो. (डॉ.) अभय कुमार सिंह, प्रोफेसर, प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति एमजेपी रोहिलखंड— विश्वविद्यालय, बरेली
8.	यूजीसी के अध्यक्ष का एक नामिती	पदेन सदस्य	----
9.	संस्थान से संबंधित मामलों की देख-रेख करने वाले केन्द्रीय सरकार के विभाग से एक प्रतिनिधि	पदेन सदस्य	संयुक्त सचिव (संग्रहालय), संस्कृति मंत्रालय
10.	बारी-बारी (रोटेशन) से नियम 6 क (ix) पर मनोनीत किए गए उन व्यक्तियों में से दो नामिती	पदेन सदस्य	i. महानिदेशक, राष्ट्रीय अभिलेखागार, जनपथ नई दिल्ली ii. निदेशक, एनजीएमए, नई दिल्ली
11.	रजिस्ट्रार	गैर-सदस्य सचिव	1. डॉ. बी. के. ठाकुर

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सामान्य सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एस. के. सिंह
अवर सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 15th August 2015

No. 92-Pres/2015—The President is pleased on the occasion of the Independence Day, 2015 to award the President's Tatrakshak Medal for Gallantry to Commandant Chandra Shekhar Joshi, Tatrakshak Medal (0510-J).

CITATION

Commandant Chandra Shekhar Joshi, Tatrakshak Medal (0510-J) joined the Indian Coast Guard (ICG) on 07 July 1997.

2. It was on the 31 December 2014, all security agencies were on high alert to thwart any attempt by anti national elements to disturb national peace and tranquility. ICG Ship (ICGS) Rajratan under the command of Commandant Chandra Shekhar Joshi was deployed on the sensitive Indo-Pak national International Maritime Boundary Line (IMBL). At about 1305 hrs on 31 December 2014, while at IMBL, ship received directives to proceed with maximum speed and intercept a Pak fishing boat engaged in suspicious activity. The location of the suspect Fishing Boat (FB) was 170 Nautical Mile (NM) from ship's position. The officer took stock of the situation and immediately shaped course to intercept the suspect FB at maximum speed. The sea conditions were rough with Sea State 4, Swell 2.5 meters to 3.0 meters and winds gusting to 35-40 Knots. Undeterred by the prevailing weather, he maintained the intercepting course as time was an essence for the success of the mission. He took regular updates from the CG Dornier in area and kept himself abreast with the changing tactics of the suspected FB.

3. Expecting a hostile situation, the officer brought the ship to the highest state of readiness and briefed his Officers & Men and tasked every individual with specific responsibility. He also kept encouraging his men so as to derive the best. After approximately 11 gruelling hours in the rough seas, the suspect FB was finally intercepted at 2357 hours as a result of effective Sea-Air Co-ordinated search. The boat was unlit and its manoeuvres expressed hostile intent by trying to evade the ship and flee by taking advantage of the dark hours and adverse weather. Despite repeated calls on Very High Frequency (VHF) Channel 16, loud hailer and indication by search light, the crew of the suspected FB was defiant and refused to surrender. The graduated use of force and judicious use of ship's fire power forced the suspected fishing boat to stop, as the perfect tactics employed by the officer completely denied all possibility for the boat of escape. The boarding party was being prepared for boarding operation with first light. However, on 01 January 2015 at around 0230 hours the suspected boat was seen to be engulfed by massive fire following an explosion, indicating presence of high explosives onboard. The boat finally sank at about 0633 hours on 01 January 2015.

4. Commandant Chandra Shekhar Joshi with his indomitable courage, incisive leadership and fearless efforts successfully dealt with the volatile situation which prevented the designs of anti national elements to reach national shores and prevented an incident which could have tantamount to another 26/11 attack.

5. Commandant Chandra Shekhar Joshi, Tatrakshak Medal (0510-J) has accredited himself well and therefore he is awarded the President's Tatrakshak Medal (Gallantry).

6. The President's Tatrakshak Medal (Gallantry) award is made under Rule 4(ii) of the rules governing grant of President's Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 5 in respect of Coast Guard personnel who have received the President's Tatrakshak Medal (Gallantry) award.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 93-Pres/2015—The President is pleased on the occasion of the Independence Day, 2015 to award the President's Tatrakshak Medal for Distinguished Service to the undermentioned officer:-

Deputy Inspector General Raj Mani Sharma, TM (0018-P)

2. The President's Tatrakshak Medal for Distinguished Service award is made under Rule-4(iv) of the rules governing grant of the President's Tatrakshak Medal for Distinguished Service.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 94-Pres/2015—The President is pleased on the occasion of the Independence Day, 2015 to award the Tatrakshak Medal for Gallantry to Commandant Sandeep Safaya (0440-X).

CITATION

Commandant Sandeep Safaya (0440-X) joined the Indian Coast Guard (ICG) on 08 July 1995 and is presently commanding Air Cushion Vessel (ACV) H-194.

2. On 17 February 2015, at about 1645 hours, ACV H-194 received a telephonic information from Marine police station, Belapur regarding a ferry boat carrying 78 passengers including young children onboard under distress view grounding and likely to sink near Elephanta Island. The officer immediately apprised District Headquarters (DHQ) -2 and Regional Headquarters (RHQ) (West) and subsequently ACV H-194 was sailed with dispatch at 1705 hours to undertake the Search and Rescue (SAR) operation. The craft reached the location where the distressed vessel was aground. The distressed boat was listing due to uneven distribution weight of the passengers. The transfer of passengers from the ferry was a challenging task as the area was marshy.

3. The frightened passengers were eager to be rescued and the panic situation was evident. The officer exhibited high sense of professional expertise by manoeuvering the craft close to the boat, took it alongside with utmost care by constantly maintaining air cushion sufficient enough to embark the passengers and at the same time keeping requisite clearance from the ground.

4. The team under the leadership of Commandant Sandeep Safaya (0440-X) successfully accomplished the mission of rescuing the 78 passengers by taking them onboard at 1736 hrs and thereafter bringing them safely to Coast Guard Hoverport, Belapur. The extremely swift and courageous act involving a mass rescue operation within a record time of about an hour exemplifies the daring and courageous qualities of an ICG officer.

5. Commandant Sandeep Safaya (0440-X) has accredited himself well and therefore he is awarded the Tatrakshak Medal (Gallantry).

6. The Tatrakshak Medal (Gallantry) award is made under Rule 11(i) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 13 in respect of Coast Guard personnel who have received the Tatrakshak Medal (Gallantry) award.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 95-Pres/2015—The President is pleased on the occasion of the Independence Day, 2015 to award the Tatrakshak Medal for Gallantry to Commandant Abhay Maruti Ambetkar (0485-C).

CITATION

Commandant Abhay Maruti Ambetkar (0485-C) joined the Indian Coast Guard (ICG) on 08 July 1996. The officer is presently posted at Coast Guard Air Enclave (CGAE), Porbandar as Senior Observer and has an experience of more than 4500 flying hours.

2. On 31 December 2014, as officiating Squadron Commander of 746 Squadron (CG) successfully led the maiden anti-terrorist operation by the ICG. Despite acute shortage of manpower and airfield watch hour restrictions at Porbandar airfield. He ensured unconditional availability of Porbandar airfield and facilitated short notice/round the clock launch of 05 Dornier Aircraft sorties from a remote civil airfield – Porbandar resulting in timely detection, tracking and interception of the suspicious vessel. The officer led his team comprising of young dynamic pilots and observers to excel with pride on the night of 31 December 2014. Immaculate conduct of all the mission briefings/de-briefs, precise sortie planning and invaluable guidance on navigation, gambit tactics to junior aircrew resulted in successful accomplishment of sea-air coordinated operation 200 Nautical Mile(NM) out at sea. As a leader he re-organised the crew to overcome stress and fatigue due to extended flying operations.

3. As Captain of the aircraft, took charge of the situation at 2300 hours on 31 December 2014. The prevailing weather conditions were not conducive for the detection and tracking of small contacts due to heavy swell, strong winds and sea state 4-5. The darkness, movement restrictions in proximity of International Maritime Boundary Line (IMBL) and

limitation due to heavy sea state/swell/radar clutter further deteriorated the situation. The officer displayed extraordinary professional acumen and exploited sensors to the maximum and efficiently navigated the aircraft and detected the suspect vessel and vectored ICG Ship Rajratan to the same for further action.

4. Prompt response, expeditious detection, precise navigation, efficient and effective vectoring in establishing of communication link which resulted in successful sighting of Pakistani Boat carrying explosives (which finally blew itself up to avoid apprehension).

5. Commandant Abhay Maruti Ambetkar (0485-C) has accredited himself well and therefore he is awarded the Tatrakshak Medal (Gallantry).

6. The Tatrakshak Medal (Gallantry) award is made under Rule 11(i) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 13 in respect of Coast Guard personnel who have received the Tatrakshak Medal (Gallantry) award.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 96-Pres/2015—The President is pleased on the occasion of the Independence Day, 2015 to award the Tatrakshak Medal for Gallantry to Commandant Kanwaljit Singh (0506-X).

CITATION

Commandant Kanwaljit Singh (0506-X) joined the Indian Coast Guard (ICG) on 07 July 1997 and presently commanding ICG Ship Subhadra Kumari Chauhan.

2. On 04 December 2014, the ship received an intelligence input from Regional Headquarters(West) [RHQ(W)] regarding involvement of 02 vessels in smuggling of contraband off Mumbai. The ship sailed with dispatch from Mumbai at 1030 hours on 04 December 2014 to Rendezvous ICG Ship Achook which was in the area.

3. The ship arrived area at 1900 hours on 04 December 2014. The officer assumed duties of On-scene Commander (OSC) and divided the search area into northern and southern zones. The ship maintained patrol in the north to box-in suspected vessels. At about 1930 hours, the officer ordered continuous monitoring of the Very High Frequency (VHF) Maritime Mobile Band (MMB) channel 10, 16, 21 and 63, which is the most frequently exploited frequencies by barge owners and operators. The ship observed chatter regarding transfer of *lakdi* on channel 10 and 63. The ship then shaped course towards the most probable area, based on variations on squelch settings, while doing a 360 degree turn to identify a most probable direction where the reception was audible at a maximum squelch.

4. At about 2020 hours on 04 December 2014, the ship observed a distinct silhouette of 02 unlit vessels appearing to be a dhow. At this moment, the officer ordered silent regime and manning of armaments. The suspect vessels when taken by surprise, immediately started their engines and started heading in opposite directions to avoid arrest. Despite warnings and repeated VHF calls to stop, the suspect vessels increased speed and showed disregard to authority and criminal intent. The officer directed CG Dornier ex-Daman which was in area and ICG Ship Achook to intercept the escaping dhow while the ship was engaged in hot pursuit of the barge. At 2047 hours the barge was made to stop and surrender institution of gradual use of force and fire arms as ordered by the officer.

5. The boarding party recovered red sanders wood onboard barge MV Ganga Sagar and the same was also confirmed onboard dhow MV Marwan. The total worth of confiscated contraband valued over Rs. 9 crores in the international market. A total of 16 suspects were arrested from both the vessels. The officer then directed the boarding officer to take command of the barge and sailed all four ships, including 02 rogue vessels, to Mumbai for further interrogation and action.

6. Commandant Kanwaljit Singh (0506-X) has accredited himself well and therefore he is awarded the Tatrakshak Medal (Gallantry).

7. The Tatrakshak Medal (Gallantry) award is made under Rule 11(i) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 13 in respect of Coast Guard personnel who have received the Tatrakshak Medal (Gallantry) award.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 97-Pres/2015—The President is pleased on the occasion of the Independence Day, 2015 to award the Tatrakshak Medal for Gallantry to Commandant Satish Bisht (0546-P).

CITATION

Commandant Satish Bisht (0546-P) joined the Indian Coast Guard (ICG) on 04 January 1999. The officer has served in various significant flying appointments including commissioning crew of ICG Maldives Dhruv flight in April 2010 and subsequently as contingent commander of the same unit in March 2014 (which was established in April 2010 as an elite project) to strengthen bilateral cooperation between India and Republic of Maldives.

2. On 18 October 2012, during night ops a patient was to be evacuated from Fuvamulah Island. The peculiarity of the operation was that it was carried out from a field where no runway lighting was available, the officer used his experience, knowledge of terrain and innovative planning evacuated the patient using alternative lighting arrangements thus instilled the faith amongst Maldivians. Officer has carried out humanitarian operations across the entire length of the island nation. On many occasions patients were evacuated from far flung islands which involved flying over 500 Nautical Mile (NM). Such operations involved diligence and resolve to reach out to the people in need. Such operations requiring multiple fuelling, landings at unprepared surfaces through dynamic weather conditions and across the entire length of a nation are unprecedented in Advanced Light Helicopter (ALH) operations' history.

3. Despite infrastructural and technical restraints, as contingent commander, he led the team in many missions towards successful accomplishments. Apart from the medical evacuations for Maldivians, a mission was undertaken on Maldives National Defence Force (MNDF) tasking to evacuate a Bangladeshi national with severe burn injuries from Gaafu dhall atoll. The officer displayed extraordinary act of gallant, presence of mind, professionalism, exhibited exemplary courage, diligence and praise worthy flying skills under adverse conditions during all humanitarian and life saving missions.

4. He is also recipient of DGICG commendation (2004 and 2009), CINCAN commendation (2006) and HCI (Male) commendation (2010).

5. Commandant Satish Bisht (0546-P) has accredited himself well and therefore he is awarded the Tatrakshak Medal (Gallantry).

6. The Tatrakshak Medal (Gallantry) award is made under Rule 11(i) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 13 in respect of Coast Guard personnel who have received the Tatrakshak Medal (Gallantry) award.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 98-Pres/2015—The President is pleased on the occasion of the Independence Day, 2015 to award the Tatrakshak Medal for Gallantry to Ami Chand, Uttam Adhikari (Radar Plotter), 02787-P.

CITATION

Ami Chand, Uttam Adhikari (Radar Plotter), 02787-P joined the Indian Coast Guard (ICG) on 13 July 1992.

2. On 04 December 2014, ICG Ship Subhadra Kumari Chauhan received intelligence input from Regional Headquarters (West) [RHQ(W)] regarding involvement of 02 vessels in smuggling of contraband off Mumbai. The ship sailed with dispatch from Mumbai at 1030 hours to Rendezvous (R/V) ICG Ship Achook which was already present in the area. The Commanding Officer briefed Executive Officer and Master Chief Boatswain Mate (MCBM) about the mission wherein the ship was required to maintain high speeds in dark hours. Ami Chand, U/Adh, MCBM, understood the situation and prepared the ship for the operation.

3. The ship arrived in area at 1900 hours on 04 December 2014 and the Subordinate Officer (SO) was ordered to ensure darkened ship condition in order to achieve the element of surprise. The SO prepared upper decks with no light, keeping the safety of men and material in mind, successful lowering the Gemini and dispatch of Boarding Party. The SO, meanwhile, briefed the lookouts and the boarding party about the requirements of the operation.

4. At about 2000 hours on 04 December 2014, the SO observed a silhouette of 02 unlit vessels appearing at the horizon and reported the same to Bridge. The SO appreciated the vessels to be rogue owing to his experience at sea and

critical observation and briefed the Command accordingly. At this moment, the SO coordinated actions to ensure silence on upper decks and manning of all small arms. The vessels, which was later taken by surprise, immediately started their engines and head in opposite directions. Despite warnings and repeated Very High Frequency (VHF) calls to stop, the vessels increased speed and showed no fear of authority displaying criminal intent. The SO, with his quick thinking prowess, maintained constant Radio Telephony (RT) contact with ICG Ship Achook and passed positions of the escaping dhow on real time basis. Thereafter, the ship engaged in hot pursuit of the fleeing barge. It was at about 2047 hours that the barge was made to stop through controlled and warning firing aptly coordinated by the SO.

5. The total value of confiscated contraband was over Rs 09 crores in the international market. A total of 08 suspects/person were arrested from the barge. The arrest was a direct result of keen observation, seaman's eye and motivation of the SO in which he contributed immensely towards maintaining accurate gun fire in orderly manner and safe handling of the Gemini.

6. Ami Chand, Uttam Adhikari (Radar Plotter), 02787-P has accredited himself well and therefore he is awarded the Tatrakshak Medal (Gallantry).

7. The Tatrakshak Medal (Gallantry) award is made under Rule 11(i) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 13 in respect of Coast Guard personnel who have received the Tatrakshak Medal (Gallantry) award.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 99-Pres/2015—The President is pleased on the occasion of the Independence Day, 2015 to award the Tatrakshak Medal for Gallantry to Bikash Bagchi, Adhikari (Mechanical Engineer), 03225-L.

CITATION

Bikash Bagchi, Adhikari (Mechanical Engineer), 03225-L joined the Indian Coast Guard (ICG) on 01 August 1996.

2. At about 1645 hours on 17 February 2015, Air Cushion Vessel (ACV) H-194 received an information from Marine Police Station, Belapur regarding a ferry in distress view grounding and likelihood of sinking near Elephanta Island carrying 78 passengers onboard including young children. Bikash Bagchi, Adh (ME) while carrying out the duties of Chief Boatswain Mate (CBM) in addition to Chief (ME), was entrusted to prepare the craft for immediate launch. The Subordinate Officer (SO) prepared the craft for launching within fifteen minutes after ensuring sufficient fuel and healthy machinery status to undertake rescue mission. Due to his quick response and understanding the urgency of the mission, the craft was ready to sail with dispatch at 1705 hours for Search and Rescue (SAR) operation.

3. The craft effected Rendezvous (R/V) with the aground vessel at 1724 hours near Elephanta Island, Mumbai. The distressed boat was listing due to uneven weight of the passengers. Therefore, the craft immediately launched the boarding party which was lead by Bikash Bagchi, Adh (ME) to effectively control the situation. In order to maintain balance, the SO without losing time immediately jumped into the distressed boat which was listing heavily on one side. He sensed the danger and instantly secured the distress boat to the craft with the help of ropes and managed the survivors by making them sit evenly on either side of the boat to correct the list.

4. Bikash Bagchi, Adh (ME) immediately instilled faith on the passengers and thus controlled the panic situation. The SO remained inside the ferry until all the survivors were rescued. He assisted the Commanding Officer in making right approach towards the distressed boat by way of visual signals. The professional acumen, the team work and crew resource management displayed by the SO in the timely rescue of the 78 passengers exemplifying service before self is commendable, thus enhancing the professional pride of the ICG.

5. Bikash Bagchi, Adhikari (Mechanical Engineer), 03225-L has accredited himself well and therefore he is awarded the Tatrakshak Medal (Gallantry).

6. The Tatrakshak Medal (Gallantry) award is made under Rule 11(i) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 13 in respect of Coast Guard personnel who have received the Tatrakshak Medal (Gallantry) award.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 100-Pres/2015—The President is pleased on the occasion of the Independence Day, 2015 to award the Tatrakshak Medal for Gallantry to Madan Lal, Pradhan Navik (Steward), 05308-R.

CITATION

Madan Lal, Pradhan Navik (Steward), 05308-R joined the Indian Coast Guard (ICG) on 27 September 2005.

2. During August 2014, consequent to incessant rain over most parts of Kujang and Kendrapada districts of Odisha, the strong flood stream swept many villages and threatened numerous lives. Coast Guard District Headquarters (CGDHQ) No. – 7, Paradip, Odisha, launched "Operation Rahat" on 05 August 2014 to rescue life of villagers in the distressed situation. He was the member of rescue team and was deputed for rescue operations.

3. 06 August 2014, while sanitizing flood affected village in the delta of Mahanadi river, he noticed a boat carrying 08 personnel capsizing and inmates struggling to come close to the Mahanadi river bank, severely challenged by strong flood stream. Initially attempts of passing lifebuoys failed as the flood stream was very strong and also stormy weather was posing a big challenge. Despite unfavorable conditions, the EP decided to take risk to provide assistance to the distressed crew who were struggling hard to reach ashore. He led the team successfully against strong flood stream and team, under his able leadership managed to rescue 08 lives with due regards to safety. The rescued persons were safely shifted to shelter for further management.

4. The courage and safe execution of mission with highest regard to safety of life is in keeping with the highest traditions of the service.

5. Madan Lal, Pradhan Navik (Steward), 05308-R has accredited himself well and therefore he is awarded the Tatrakshak Medal (Gallantry).

6. The Tatrakshak Medal (Gallantry) award is made under Rule 11(i) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under Rule 13 in respect of Coast Guard personnel who have received the Tatrakshak Medal (Gallantry) award.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 101-Pres/2015—The President is pleased on the occasion of the Independence Day, 2015 to award the Tatrakshak Medal for Meritorious Service to the undermentioned officers:-

- (i) Deputy Inspector General Kandambakkam Ramani Suresh (0166-C)
- (ii) Deputy Inspector General Manoj Vasant Baadkar (0173-Q)

2. The Tatrakshak Medal (Meritorious Service) award is made under 11(ii) of the rules governing grant of Tatrakshak Medal for Meritorious Service.

SURESH YADAV
OSD to the President

No. 102-Pres/2015—The President is pleased to award the Certificate of Honour to the following scholars of Sanskrit, Arabic, Persian and Pali/Prakrit:

SANSKRIT

- 1. Dr. (Mrs.) Shashi Tiwari
- 2. Shri Lakshmiswar Jha
- 3. Prof. Sudhakar Dixit
- 4. Prof. G. Mahabaleshwar Bhat
- 5. Shri S.M. Veeraraghavachar

6. Veda Ratna Keshav Sitaram Jogalekar (Posthumous)
7. Shri A. Haridas Bhat
8. Pd. Shrikrishnashastri Kashinathshastri Joshi (Kodanikar)
9. Dr. Ram Kishore Shukla
10. Shri Gullapalli Venkatanarayana Ghanapathi
11. Shri Hari Dutt Sharma
12. Prof. Om Prakash Pandey
13. Dr. Kailash Chandra Dave
14. Pd. Jagannath Shastri Telang
15. Dr. Vachaspati Maithani

SANSKRIT (INTERNATIONAL)

1. Shri Asko Parpola

ARABIC

1. Dr. A. Nizarudeen
2. Prof. Mohammad Hassan Khan

PERSIAN

1. Prof. (Dr.) Ghulam Rasool Jan
2. Prof. (Dr.) Mohammad Munawwar Masoodi
3. Shri Ihsan Karim Burke

PALI/PRAKRIT

1. Prof. Pradyumna Dubey

In addition, the President is also pleased to award the Maharshi Badrayan Vyas Samman to the following scholars of Sanskrit, Arabic, Persian and Pali/Prakrit:-

SANSKRIT

1. Dr. Viroopaksha V. Jaddipal
2. Dr. Ratna Mohan Jha
3. Dr. Bishnupada Mahapatra
4. Dr. Prasad Prakash Joshi
5. Dr. Deviprasad Mishra

ARABIC

1. Dr. Heifa Shakri

PERSIAN

1. Dr. Imran Ahmed Chaudhry

PALI/PRAKRIT

1. Shri Dhammadip Pandhari Wankhede

MINISTRY OF TEXTILES

New Delhi, the 2nd November 2015

Sub: Policy regarding Recovery of EMD/BG amount lying unclaimed by the readymade garment exporters under the then Garment & Knitwear Export Entitlement (Quota) Policy (2000-2004).

No. S.O. No.8/3/2015-EP—Whereas operation of the residuary provisions of Garments and Knitwears Export Entitlement (Quota) Policy (2000-2004) [GKEEP] was notified initially for one year with effect from 1st January, 2005, vide Notification No.1/61/2004- Exports-I dated 9th November, 2004, and same has been extended from time to time up to 31st December, 2016.

2. Whereas the aforesaid Policy had a provision for submission of Ernest Money Deposit (EMD) / Bank Guarantee (BG) by the concerned exporters as a guarantee towards fulfilling the export obligations within the stipulated period, failing which the EMD/BG is liable to be forfeited.

3. Whereas EMDs deposited by the exporters were either released or forfeited by the designated authorities based on exporters' performance as per procedure under which the exporters were required to submit documentary proofs in support of shipment to Quota Administering Authority (QAA).

4. Whereas it has been observed from the Audited Accounts of Apparel Export Promotion Council (AEPC), that an unclaimed amount of Rs. 48.58 crores is lying with AEPC in the form of fixed deposits and demand drafts, details of which are maintained by AEPC. This amount belongs to the GoI, which AEPC was holding as the Custodian. This unclaimed amount of Rs. 48.58 cr. has been lying for more than 10 years in absence of any preferred claims as per guidelines.

5. Now therefore, in exercise of the powers conferred in the Garment & Knitwear Export Entitlement (Quota) Policy (2000-2004) extended till 31.12.2016 (para 20), in respect of countries where such exports are covered by restraints under the provisions of the Agreement of Textiles and Clothing, is hereby substituted as under in place of Para 12 (C) of Notification No. 1/128/99-Exports-I dated the 12th November, 1999.

“An opportunity is hereby given to the exporters covered under the Policy to submit their claims for refund, if any, along with all the supporting documents within 90 days from the date of this Notification before QAA, provided that all such DD/ Fixed Deposit Receipts, for which no claim is received within the stipulated period shall stand forfeited along with interest earned by the Quota Administering Authority in favour of Govt. of India to be deposited in the Consolidated Fund of India (CFI). No claim of any apparel exporter, whatsoever, shall be entertained in respect of the said unclaimed Demand Drafts/Fixed Deposit Receipts on any ground whatsoever after the expiry of the stipulated period of 90 days.”

6. Accordingly exporters, who have submitted BG/EMD, in respect of the amount deposited as mentioned in para 4 above, are requested to submit their claims as indicated, failing which the said amount will stand forfeited in favour of the Government of India.

NEERAV K MALLICK
Director

Note: The original Notification was published vide No.1/128/99-Exports-I dated 12.11.1999 and last amended vide Notification No.1/61/2004-IT dated 14.10.2015.

MINISTRY OF CULTURE

New Delhi, the 1st October 2015

No. 10-11/2008-M.I—In pursuance of Article 7(A) of the Memorandum of Association of the National Museum Institute of History of Art, Conservation and Museology, New Delhi and nominations received from the Chairman of the Society of the Institute in consultation with the Central Govt. the Academic Council of the Institute is hereby re-constituted as under for a period of three years from the date of issue of this notification or till it is re-constituted whichever is earlier.

S. No.	Composition	Status	Nomination
1.	Vice- Chancellor, NMI	Ex-officio Chairman	D.G., National Museum and Vice- Chancellor of the Institute
2.	Director, NMI	Ex- Officio Member	Vacant

S. No.	Composition	Status	Nomination
3.	Dean (Academic Affairs) NMI and Heads of Departments of the Institute	Ex- Officio Member	<p>Dean of Academic Affairs</p> <p>1. Prof. Anupa Pande, Dean (Academic Affairs) and Head, Department of History of Arts.</p> <p>Heads of Departments :</p> <p>1. Dr. Satish Chandra Pandey, Head of Department Incharge, Department of Conservation ;</p> <p>2. Dr.(Mrs) Manvi Seth, Head of Department Incharge, Department of Museology</p>
4.	Professors other than Heads of Department of the Institute	Ex- Officio Member	Vacant
5.	One Reader from each Department other than the Head of the Department by rotation in order of seniority nominated by the V.C.	Ex- Officio Member	Vacant
6.	One lecturer from each Department by rotation in order of seniority nominated by the V.C.	Ex- Officio Member	<p>1. Dr.(Mrs) Savita Kumari, Assistant Professor History of Arts)</p> <p>2. Dr. Satish Chandra Pandey, Assistant Prof. (Conservation)</p> <p>3. Dr. Manvi Seth, Assistant Professor (Museology)</p>
7.	Five persons from amongst educationist of repute or persons from the field of Museology, archaeology, archival studies, conservation, anthropology and the like but in the service of the Institute, nominated by the Chairman in consultations with the Central Govt.	Members	<p>(i) Dr. S.S Biswas E-3, Sarita Vihar, New Delhi -110076</p> <p>(ii) Prof. V.S. Sonavane 403, Subhadara Green, Suya Vilas Society, Opposite Dairy Compound, Godri Baroda -390021 Gujarat</p> <p>(iii) Prof. Atul Tripathi, L-3 , Wardens Quarter, Jodhpur Colony, BHU, Varanasi -221005</p> <p>(iv) Prof. K.K. Thapaliyal, Prof & Head, Ancient History & Archaeology, Lucknow University, Lucknow UP.</p> <p>(v) Prof. (Dr) Abhay Kumar Singh Prof. of Ancient History & Culture, MJP Rohilkhand University, Bareilly.</p>
8.	One nominee of the Chairman of the UGC.	Ex- Officio Member	---
9.	One representative from the Department of Central Government dealing with matters related to the Institute.	Ex- Officio Member	Joint Secretary (Museums), Ministry of Culture

S. No.	Composition	Status	Nomination
10.	Two nominee out of those nominated at Rule 6 A (ix) by rotation.	Ex- Officio Member	<ol style="list-style-type: none"> 1. Director General, Archaeological Survey of India, Janpath, New Delhi. 2. Director, National Gallery of Modern Art , New Delhi.
11.	Registrar	Non-Member Secretary	1. Dr. B.K. Thakur.

ORDER

Ordered that the Resolution be published in the Gazette of India for General information.

S. K. SINGH
Under Secretary